भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक Important Questions Class 10 Social Science (Economics) Chapter 2 in Hindi

1 अंक वाले प्रश्न

प्रश्न 1 सेवा क्षेत्रक में शामिल गतिविधियों के दो उदाहरण दीजिए।

उत्तर: परिवहन , संचार व बैंकिग।

प्रश्न 2 अर्थव्यवस्था में प्रत्येक क्षेत्रक के अंतिम उत्पाद की ही गणना क्यों की जाती है ?

उत्तर: दोहरी गणना की समस्या से बचने के लिए।

प्रश्न 3 सार्वजनिक व निजी क्षेत्रक को किस आधार पर वर्गीकृत किया जाता है ?

उत्तर: उद्यमों के स्वामित्व के आधार पर।

प्रश्न 4 रोज़गार सृजन में किस क्षेत्र का भारत में प्रथम स्थान है ?

उत्तर: प्राथमिक क्षेत्रक का।

प्रश्न 5 संगठित क्षेत्र की दो विशेषताएँ बताइए?

उत्तर: संगठित क्षेत्राक में वे उद्यम अथवा कार्य स्थान हाते है जहाँ रोजगार की अवधि नियमित होती है ओर इसलिए लोगो के पास सुनिश्चित काम होता है। वे क्षेत्राक सरकार द्वारा पंजीकृत होते है और उन्हे सरकारी नियमों एवं विनियमों का अनुपालन करना होता है।

प्रश्न 6 रोजगार गारन्टी अधिनियम किस वर्ष लागू किया गया?

उत्तर: वर्ष 2005 में।

प्रश्न 7 आर्थिक गतिविधियाँ जो तृतीयक क्षेत्र में नहीं आती हैं, का एक उदाहरण दीजिए।

उत्तर: मधुमक्खी पालन आदि

प्रश्न 8 सार्वजनिक क्षेत्रक में सरकार का मुख्य उद्देश्य क्या होता हैं ?

उत्तर: सामाजिक कल्याण व सुरक्षा प्रदान करना।

प्रश्न 9 टिस्को' जैसी कम्पनी में कौन सा एक्ट लागू नहीं होगा?

उत्तर: राष्ट्रीय रोजगार गारंटी अधिनियम।

प्रश्न 10 प्रच्छन्न बेरोजगारी को किस अन्य नाम से भी जाना जाता है ?

उत्तर: अल्प बेरोज़गारी या छिपी हुई बेरोज़गारी।

प्रश्न 11 भारत में सेवा क्षेत्रक की क्या विशेषता है ?

उत्तर: सकल घरेलू उत्पाद में सर्वाधिक हिस्सेदारी।

प्रश्न 12 'सवेतन छुट्टी' का प्रावधान किस क्षेत्रक में पाया जाता है ?

उत्तर: संगठित क्षेत्रक में।

प्रश्न 13 1973 से 2013 के बीच कौन सी गतिविधि सबसे बड़ा नियोक्ता साबित होती रही है ?

उत्तर: कृषि।

प्रश्न 14 सकल घरेलू उत्पाद (जी.डी.पी.) में किस क्षेत्रक का योगदान सबसे बड़ा हैं ?

उत्तर: तृतीयक क्षेत्रक।

प्रश्न 15 उस क्षेत्रक का नाम बताइए जो अन्य सभी उत्पादों के लिए आधार बनाते हैं ?

उत्तर: प्राथमिक क्षेत्रक।

3/5 अंक वाले प्रश्न

प्रश्न 1 सार्वजनिक व निजी क्षेत्रक में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर:

सार्वजनिक क्षेत्रक :

- परिसम्पत्तियों पर सरकार का नियंत्रण।
- सभी सेवाएँ सरकार उपलब्ध करवाती है।
- इसका उद्देश्य अधिकतम सामाजिक कल्याण होता है।
- रोजगार सुरक्षा दी जाती है।
- सवैतनिक छुट्टी व अन्य सेवाएँ दी जाती हैं।

निजी क्षेत्रक :

- परिसम्पत्तियों पर निजी स्वामित्त्व।
- सारी चीजें एक व्यक्ति या कम्पनी उपलब्ध करवाती है।

https://www.evidyarthi.in/

- अधिकतम लाभ कमाना इसका उद्देश्य होता है।
- रोज़गार व श्रमिक असुरक्षित होते हैं।
- सवैतनिक छुट्टी व अन्य सेवाएँ सामान्यतः नहीं दी जाती।

प्रश्न 2 असंगठित क्षेत्रक में मजदूरों के सामने आने वाली कठिनाइयों का वर्णन कीजिए।

उत्तर:

- यह क्षेत्रक सरकारी नियमों व विनियमों को नहीं मानता।
- न्यूनतम वेतन मिलता है।
- रोजगार की अवधि व कार्य समय सीमा निश्चित नहीं होती।
- किसी प्रकार की छुट्टी या लाभ का प्रावधान नहीं होता।
- निश्चित कार्य क्षेत्र व अच्छी सेवा सुविधाएँ उपलब्ध नहीं होता।

प्रश्न 3 संगठित व असंगठित क्षेत्रकों में रोज़गार की परिस्थितियों में क्या अन्तर पाया जाता है ?

उत्तर:

संगठित क्षेत्रक :

- अधिक वेतन प्राप्ति।
- नौकरी सुरक्षित
- कार्य की स्थितियाँ अच्छी
- कर्मचारी योजनाओं का लाभ
- कार्य अवधि (काम के घंटे) निश्चित

असंगठित क्षेत्रक

- कम वेतन प्राप्ति
- नौकरी सुरक्षित नहीं।
- निम्न स्तरीय कार्य परिस्थितियाँ
- कर्मचारी योजनाओं का लाभ नहीं
- कोई निश्चित कार्य अवधि नहीं।

प्रश्न 4 राष्ट्रीय रोज़गार गारन्टी अधिनियम के प्रावधान बताइए।

उत्तर: राष्ट्रीय रोजगार

- राष्ट्रीय रोजगार गारन्टी योजना के अर्न्तगत 100 दिनों के रोज़गार की गारन्टी।
- रोजगार न मिलने या कम मिलने पर बेरोज़गारी भत्ता दिया जाना।
- अपने गाँव या आस-पास के क्षेत्र में ही कार्य स्थल होना।
- एक तिहाई रोजगार महिलाओं के लिए सुरक्षित है।
- गरीबों में भी अति गरीब लोगों को रोजगार प्रदान करना।

प्रश्न 5 "यद्यपि आर्थिक गतिविधियों को प्राथमिक, द्वितीयक व तृतीयक क्षेत्रकों में विभाजित किया गया है लेकिन वे परस्पर एक दूसरे पर निर्भर हैं" इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: यह कथन पूर्णतः सत्य है क्योंकि :

- प्राथमिक क्षेत्रक को उत्पादन बढ़ाने व वितरण के लिए नई तकनीकों व परिवहन की आवश्यकता होती है।
- विनिर्माण उद्योगों के लिए कच्चा माल प्राथमिक क्षेत्रक से ही प्राप्त होता है।
- प्राथमिक व द्वितीयक क्षेत्रक की सहायता से ही सेवा क्षेत्रक में नए-नए रोज़गार के अवसर प्राप्त होते हैं। जैसे- भंडारण, बैंकिग, यातायात आदि।
- तीनों क्षेत्रक परस्पर निर्भर हैं, किसी एक की भी अनुपस्थिति का अन्य दोनों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

प्रश्न 6 शहरी क्षेत्रों में रोजगार पैदा करने की कोई तीन विधियाँ सुझाइए।

उत्तर:

- क्षेत्रीय शिल्प उद्योग व सेवाओं को प्रोत्साहन देना।
- पर्यटन उद्योग को प्रोत्साहन देना।
- अनावश्यक सरकारी नीतियों व नियमों में परिवर्तन।
- मूलभूत सुविधाएँ, तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देना।
- आसान शर्तों पर ऋण या आर्थिक सहायता प्रदान करना।

प्रश्न 7 तेजी से बढ़ती जनसंख्या किस प्रकार बेरोज़गारी को प्रभावित करती है ?

उत्तर:

- रोज़गार के अवसर, जनसंख्या के अनुपात में नहीं बढ़ते।
- कृषि व शहरी क्षेत्रों में प्रच्छन्न बेरोजगारी बढ़ जाती है।
- संसाधनों पर बोझ बढ़ जाता है।
- अधिक व्यक्ति उपलब्ध होने से रोज़गार से प्राप्त आय निम्न स्तर पर आ जाती है।
- वस्तुओं व सेवाओं की कीमत बढ़ जाती है और उपलब्धता कम हो जाती है।

प्रश्न 8 "आप एक संगठित क्षेत्र के कर्मचारी हैं।" असंगठित क्षेत्र के किसी कर्मचारी की अपेक्षा आप को कौन से लाभ प्राप्त होगें ?

उत्तर:

- काम के निश्चित घंटे होगें।
- निश्चित समय से अधिक काम करने पर अतिरिक्त आय प्राप्त होगी।
- चिकित्सा सुविधाएँ व पेंशन सुविधा मिलेगी।
- सवेतन अवकाश, भविष्य निधि का सेवानुदान मिलेगा।
- कार्य स्थल पर उचित वातावरण व न्यूनतम सुविधाएँ प्राप्त होंगी।
- अनुचित शोषण नहीं होगा।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 9 व्याख्या कीजिए कि किस प्रकार सार्वजनिक क्षेत्रक राष्ट्र के निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है' ?

उत्तर:

- इसमें ढाँचागत सुविधाओं, कृषि व उद्योगों को बढ़ावा दिया जाता
- लोगों को सुविधाएँ न्यूनतम मूल्य पर उपलब्ध करवाई जाती हैं।
- आवश्यक वस्तुओं के उत्पादन व विक्रय में सरकारी सहायता व अनुदान दिया जाता है।
- अधिकतम् सामाजिक कल्याण का उद्धेश्य रखकर योजनाएँ बनाई जाती हैं।
- श्रमिकों को अच्छी कार्य सुविधाएँ, वेतन आदि प्रदान किया जाता है।

प्रश्न 10 छिपी हुई बेरोज़गारी क्या है ? ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में इसका एक-एक उदाहरण दीजिए।

उत्तर: जब लोग प्रत्यक्ष रूप से कार्यरत होते हैं परन्तु वास्तव में बेरोज़गार होते हैं अर्थात् एक ही काम में जरूरत से ज्यादा लोग लगे होते हैं, उसे प्रच्छन्न बेरोज़गारी कहते हैं उदाहरण- ग्रामीण क्षेत्र में चार व्यक्तियों की आवश्यकता वाले खेत में परिवार के अधिक व्यक्ति लगे हुए हैं। शहरी क्षेत्र में किसी दुकान पर 2 की आवश्यकता के स्थान पर तीन व्यक्ति कार्य कर रहें हों। शहरी क्षेत्र में एक व्यक्ति के पास कपड़े की एक छोटी सी दुकान है। उसमें एक व्यक्ति की जरूरत है परंतु दो लोग काम में लगे हुए हैं।s

प्रश्न 11 'जब कोई देश विकसित होता है तो प्राथमिक क्षेत्रक का योगदान घटता है तथा द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्रकों का बढ़ता है' ? इस कथन का विश्लेषण करें।

उत्तर:

- विकसित देशों का इतिहास बताता है कि विकास की शुरुआत में आर्थिक क्रियाओं में प्राथमिक क्षेत्रक महत्वपूर्ण था।
- कृषि के तरीके में बदलाव से खाद्यान्नों का उत्पादन अधिक। अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध।
- विनिर्माण के लिए नए तरीके फैक्ट्रियों का उभरना व विकसित होना।
- उत्पादन व रोजगार में द्वितीयक क्षेत्रक महत्वपूर्ण।
- द्वितीयक क्षेत्रकों से तृतीयक क्षेत्रकों में स्थानांतरण। कुल उत्पादन के संदर्भ में सेवा क्षेत्रक महत्त्वपूर्ण बन गया।

प्रश्न 12 भारत में कृषि असंगठित क्षेत्रक है क्या आप इस कथन से सहमत हैं ? उत्तर की पुष्टि करें।

उत्तर: कृषि एक असंगठित क्षेत्रक है हम इस कथन से सहमत हैं क्योंकि

- काम के घंटे निश्चित नहीं।
- बिना अतिरिक्त वेतन के काम करना पड़ता है।
- कृषि मजदूरों को दैनिक मजदूरी के अलावा कोई अन्य सुविधा नहीं।
- रोजगार सुरक्षित नहीं।
- मजदूरों की सुरक्षा नहीं। नियम-विनियम का अनुपालन नहीं।

प्रश्न 13 भारत में तृतीयक क्षेत्रक सबसे महत्वपूर्ण क्यों है ?

उत्तर: यह लोगों को बुनियादी सेवाएं प्रदान करता है। उदाहरण- अस्पताल, पोस्ट ऑफिस, टेलीग्राफ आदि।

- कृषि और उद्योग के विकास के लिए परिवहन और व्यापार जैसी गतिविधियाँ महत्वपूर्ण हैं।
- लोगों के आय स्तर के बढ़ने के साथ लोगों द्वारा अधिक सेवाओं की आवश्यकता या मांग उत्पन्न हुई।
- सूचना और संचार पर आधारित नई सेवाएँ आवश्यक हो गई हैं।
- यह बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार प्रदान करता है।

प्रश्न 14 असंगठित क्षेत्र के मजदूरों को निम्नलिखित मुद्दों पर सुरक्षा की आवश्यकता है, मजदूरी, सुरक्षा और स्वास्थ्य। उदाहरण के साथ व्याख्या करें।

उत्तर: नियोक्ता मजदूरों की रक्षा करने वाले कानूनों का पालन करने से इन्कार करते हैं। इसलिए सुरक्षा की आवश्यकता है।

- श्रमिकों को उचित मजदूरी का भुगतान नहीं किया जाता है और इसलिए उन्हें सुरक्षा की आवश्यकता होती है।
- नौकरी सुरक्षित नहीं है, इसलिए उन्हें सुरक्षा की आवश्यकता है।
- श्रमिकों को भविष्य निधि, ग्रेच्युटी, भुगतान किए गए अवकाश, चिकित्सा लाभ आदि जैसे कोई अन्य लाभ नहीं मिलते हैं।
- सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन नहीं।

प्रश्न 15 कृषि क्षेत्रक की प्रमुख समस्याओं का उल्लेख करें ?

उत्तर:

- असिंचित भूमि
- आय में उतार-चढ़ाव
- कर्ज का बोझ
- मौसम के बाद या पहले कोई नौकरी नहीं
- कृषक कटाई के तुरंत बाद स्थानीय व्यापारियों को अपना अनाज बेचने के लिए मजबूर।

प्रश्न 16 हम कृषि में अधिक रोजगार कैसे पैदा करेंगे?

उत्तर:

- किसानों को कृषि उपकरण खरीदने के लिए ऋण दिया जा सकता है
- सूखे क्षेत्रों की सिंचाई के लिए बांध बनाए जा सकते हैं।
- बीज और उर्वरकों पर सब्सिडी दी जा सकती है।
- भंडारण की सुविधा प्रदान की जा सकती है।
- परिवहन सुविधाओं को बढ़ाया जा सकता है।

प्रश्न 17 तीनों आर्थिक क्षेत्रकों में ऐतिहासिक बदलावों पर चर्चा करें ?

उत्तर: 1972 में स्वतंत्रता के बाद भारतीय जीडीपी में प्राथमिक क्षेत्र प्रमुख था।

https://www.evidyarthi.in/

- जैसे-जैसे कृषि पद्धति में सुधार होता है और अधिशेष भोजन का उत्पादन होता है, लोगों ने अपनी ऊर्जा को विनिर्माण की दिशा में चैनलाइज किया।
- बहुत जल्द ही द्वितीयक क्षेत्रक को प्रमुखता मिली
- प्राकृतिक और द्वितीयक क्षेत्र के विकास के कारण, सूचना और प्रौद्योगिकी, व्यापार, परिवहन आदि, तृतीयक क्षेत्रक को प्रमुखता मिली।
- 2011-2012 में भारतीय जीडीपी में तृतीयक क्षेत्र की हिस्सेदारी लगभग 60 प्रतिशत है।